भारत – इथोपिया संबंध

ऐतिहासिक साक्ष्य

ऐतिहासिक साक्ष्यों के आधार पर भारत और इथोपिया के बीच संबंध लगभग 2000 वर्ष पुराने हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार प्राचीन अक्समाइट साम्राज्य (पहली शताब्दी) के दौरान फल-फूल रहा था, जिसे आधुनिक इथोपिया की उत्पत्ति के रूप में देखा जाता है। पूर्ण राजनयिक संबंध 1950 में स्थापित किया गया तथा सरदार संत सिंह को पहला राजदूत नियुक्त किया गया। वर्तमान राजदूत जिनको समवर्ती रूप से डिजिबाउटी गणराज्य तथा अफ्रीकी संघ की भी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

राजनीतिक संरचना

मई, 1991 में मार्क्सवादी डेर्ग का तख्था पलटने के बाद प्रधानमंत्री मेलेस जेनावी के नेतृत्व में 9 दलों के इथोपियन पीपुल्स रेवोल्युशनरी डेमोक्रेटिक फ्रंट (ई पी आर डी एफ) नामक गठबंधन ने ट्रांजिशन सरकार का गठन किया। दिसंबर, 1994 में एक नया संविधान अपनाया गया तथा मई और जून, 1995 में चुनाव कराए गए। इस देश में 9 क्षेत्रीय राज्य हैं जिन्हें स्वीकृत जातीय / भाषायी सिद्धांतों के आधार पर निर्मित किया गया है तथा 2 शहर राज्य हैं। नए संविधान की एक प्रमुख विशेषता यह है कि संघटक प्रांतों को अलग होने का अधिकार दिया गया है। वर्तमान राष्ट्रपति डा. मुलाटू टेशोम हैं, प्रधानमंत्री हेलमरियम देसालेगन हैं तथा विदेश मंत्री डा. टेड्रोस अधनान हैं।

इथोपिया के नए संविधान में राष्ट्रपति का पद है जो देश के प्रमुख हैं। कार्यपालक अधिकार प्रधानमंत्री के पास हैं। संसद के दो सदन हैं तथा दोनों सदनों को हाउस ऑफ पीपुल्स रिप्रजेंटेटिव (निचली सदन) और हाउस ऑफ फेडरेशन (उच्च सदन) के रूप में जाना जाता है। एच पी आर के 548 संसद सदस्य हैं जिन्हें सीधे मतदाता चुनते हैं। उच्च सदन में 120 एम पी हैं जो 9 क्षेत्रीय राज्यों की राज्य परिषदों द्वारा चुने जाते हैं। मंत्रियों की नियुक्ति के लिए संसद की मंजूरी प्राप्त करनी होती है। मई 2015 में आयोजित संसदीय चुनावों में सत्ताधारी इथोपियन पीपुल्स रिवोल्यूशनरी डेमोक्रेटिक फ्रंट (ई पी आर डी एफ) ने 548 सीटों में से 501 सीटों पर जीत हासिल की, जबकि इसके सहयोगी शेष 46 सीटों पर विजयी रहे।

द्विपक्षीय यात्राएं

प्रधानमंत्री मेलेस जेनावी ने भारत - अफ्रीका शिखर बैठक के लिए नवंबर, 2007 में, 2008 में और दिल्ली संपोषणीय विकास शिखर बैठक के लिए फरवरी, 2009 में भारत का दौरा किया। हमारी ओर से राष्ट्रपति एस राधाकृष्णन ने 1965 में, उप राष्ट्रपति डा. जाकिर हुसैन ने 1967 में, राष्ट्रपति वी वी गिरी ने 1972 में और प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने मई, 2011 में इथोपिया का दौरा किया। उप राष्ट्रपति श्री हामिद अली अंसारी ने अफ्रीकी संघ के गठन के स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लेने के लिए मई, 2013 में इथोपिया का दौरा किया। अक्टूबर 2015 में आई ए एफ एस-3 में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री हेलमरियम देसलेगन ने दिल्ली का दौरा किया तथा वे मुंबई में व्यवसाय बैठक में शामिल हुए।

इससे पहले कपड़ा राज्य मंत्री श्री संतोष कुमार गंगवार ने आई ए एफ एस 3 के लिए प्रधानमंत्री श्री हेलमरियम देसलेगन को आमंत्रित करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विशेष दूत के रूप में 9 और 10 जुलाई 2015 को अदिस अबाबा का दौरा किया तथा श्री गंगवार ने विदेश मंत्री से भी मुलाकात की।

जुलाई 2015 में राज्य मंत्री श्री जयंत सिन्हा के नेतृत्व में 13 से 16 जुलाई 2015 के दौरान विकास के लिए वित्त पोषण पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत के एक शिष्टमंडल ने इथोपिया का दौरा किया तथा इथोपिया के विदेश मंत्री, यू एस वित्त मंत्री, कनाडा, रुवांडा, मेडागास्कर और गांबिया के मंत्रियों के अलावा आई एफ ए डी के अध्यक्ष के साथ द्विपक्षीय बैठक की। श्री सिन्हा ने थ्री साइड इवेंट पर बोला।

इथोपिया के स्वास्थ्य मंत्री डा. केस्तेबिरहन अडमासू ने 27 और 28 अगस्त 2015 को नई दिल्ली में "काल टू ऐक्शन समिट-2015" में शामिल होने के लिए भारत का दौरा किया।

भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक (आई ए एफ एस) में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री श्री हेलमरियम देसलेगन के नेतृत्व में इथोपिया के एक शिष्टमंडल ने 26 से 29 अक्टूबर 2015 के दौरान भारत का दौरा किया तथा उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की।

इथोपिया की महिला, बाल और युवा कार्यक्रम मंत्री सुश्री जेनेबू टडेसे वोल्डेसैडिक ने 10 दिसंबर 2015 को "आई सी सी आर विशिष्ट एल्युमिनी पुरस्कार 2015" प्राप्त करने के लिए नई दिल्ली का दौरा किया। उन्होंने नई दिल्ली की अपनी यात्रा के दौरान सुश्री मेनका गांधी से भी मुलाकात की।

द्विपक्षीय व्यापार :

2014 में द्विपक्षीय व्यापार 1.2 बिलियन अमरीकी डालर था जिसमें से भारत की ओर से इथोपिया को निर्यात का मूल्य 1.1 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक था तथा भारत द्वारा किए गए आयात का मूल्य 53.1 मिलियन अमरीकी डालर था। भारत 2014 में चीन और सऊदी अरब के बाद इथोपिया के लिए आयात का तीसरा सबसे महत्वपूर्ण स्रोत था तथा इथोपिया के कुल आयात में इसका अनुपात 7.4 प्रशित था। 2015 में द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि हुई तथा जनवरी से अक्टूबर 2015 तक यह 993.7 मिलियन अमरीकी डालर पर पहुंच गया, जिसमें से भारत की ओर से इथोपिया को निर्यात का मूल्य 945.1 मिलियन अमरीकी डालर था तथा आयात का मूल्य 48.6 मिलियन अमरीकी डालर था। भारत द्वारा जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से निम्नलिखित शामिल हैं : प्राथमिक तथा अर्ध निर्मित लोहा एवं इस्पात के उत्पाद (17.3 प्रतिशत), औषधि एवं फार्मास्युटिकल (12.5 प्रतिशत), चावल (12.4 प्रतिशत), परिवहन उपकरण (7.4 प्रतिशत), मशीनरी (5.5 प्रतिशत), चीनी (5.4 प्रतिशत), पेपर उत्पाद (3.5 प्रतिशत), प्लासिटक (3.4 प्रतिशत), रबर (3.2 प्रतिशत), टेक्सटाइल एवं क्लोथिंग (2.5 प्रतिशत), आदि। इथोपिया से जिन वस्तुओं का आयात किया गया उनमें मुख्य रूप से दलहनें शामिल हैं, जिनका इथोपिया से भारत के कुल आयात में अनुपात 46.7 प्रतिशत है। इसके बाद बहुमूल्य एवं अर्ध बहुमूल्य पत्थरों (18.7 प्रतिशत), सब्जी (17.1 प्रतिशत), चमड़ा (11.5 प्रतिशत), मसालों (4.3 प्रतिशत) तथा प्राकृतिक गम अरेबिक (1.2 प्रतिशत) का स्थान है। **भारत इथोपिया द्वारा आयात के लिए चीन के बाद दूसरा सबसे महत्वपूर्ण का स्रोत है जिसने इथोपिया के कुल आयात में 7** प्रतिशत का योगदान दिया है।

निवेश

भारत में इथोपिया की ओर से कोई निवेश नहीं किया गया है। भारतीय कंपनियों ने इथोपिया में शीर्ष तीन विदेशी निवेशक होने के रूप में अपनी प्रतिष्ठा बनाई हुई है तथा नई भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने इथोपिया में अपना कारोबार स्थापित किया है। 4 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक के लाइसेंसी निवेश के साथ 500 से अधिक भारतीय कंपनियों ने इथोपिया में निवेश किया है जिसमें से अनुमानित तौर पर लगभग 2 बिलियन अमरीकी डालर का निवेश जमीनी स्तर पर है। भारतीय कंपनियों ने विभिन्न सेक्टरों जैसे कि कृषि एवं फूलों की खेती, इंजीनियरिंग, प्लास्टिक, विनिर्माण, कॉटन और टेक्सटाइल, जल प्रबंधन, परामर्श तथा आई सी टी, शिक्षा, फार्मास्युटिकल एवं स्वास्थ्य देखरेख आदि में निवेश किया है। भारत का लगभग 44 प्रतिशत निवेश विनिर्माण क्षेत्र में तथा 35 प्रतिशत निवेश कृषि क्षेत्र में है।

2015 में भारतीय कंपनियों द्वारा निवेश की जो घोषणाएं की गईं उनमें से कुछ प्रमुख कंपनियां इस प्रकार हैं : एशियन पेंट, अरविंद, रेमंड, कनोरिया, फोंटाना फ्लावर पी एल सी, बालाजी मैन्यूफैक्चरिंग पी एल सी, समाका स्टोंस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी और वेलोसिटी अपैरल। विशेष रूप से टेक्सटाइल और गारमेंट सेक्टर में इथोपिया में और भारतीय कंपनियों ने निवेश करना शुरू किया है, जो विकास एवं बदलाव योजना 2 के तहत प्राथमिकता का क्षेत्र है। अरविंद ने इथोपिया में 6 मिलियन नग का एक गारमेंट प्लांट स्थापित किया है। बिशोफटू में कनोरिया अफ्रीका टेक्सटाइल पी एल सी की डेनिम फैक्ट्री का उद्घाटन 24 अक्टूबर 2015 को इथोपिया के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किया गया। रेमंड ने मुंबई में अक्टूबर में आयोजित भारत - इथोपिया निवेश मंच के दौरान इथोपिया सरकार के साथ 100 मिलियन अमरीकी डालर के निवेश करार पर हस्ताक्षर किए हैं।

इथोपिया में विपणन / निवेश के अवसर

इथोपिया में निवेश के लिए सबसे आकर्षक क्षेत्रों में कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, चमड़ा एवं चमड़ा उत्पाद, टेक्सटाइल एवं गारमेंट, बागवानी, चीनी तथा संबद्ध उद्योग, रसायन उद्योग, फार्मास्युटिकल उद्योग, सीमेंट उद्योग, मेटल एवं इंजीनियरिंग उद्योग, पर्यटन, निर्माण, खनन तथा तेल और जल विद्युत शामिल हैं। कृषि से भिन्न प्रमुख क्षेत्रों तथा निवेश में निम्नलिखित शामिल हैं : नवीकरणीय ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी और संचार (आई सी टी), निर्माण, पर्यटन और विमानन। मोबाइल बैंकिंग सेवा तथा आउटसोर्सिंग सेवाएं, वेबसाइट साफ्टवेयर और प्रौद्योगिकी, सरकारी सेवाओं के लिए साफ्टवेयर विकास तथा आई सी टी प्रशिक्षण सेवा जैसे उप क्षेत्र देश में निवेश के प्रमुख अवसरों में शामिल होने जा रहे हैं। देश में सड़क निर्माण और विस्तार की महत्वाकांक्षी परियोजनाएं भी या तो सीधे तौर पर निर्माण कार्य में शामिल होने या फिर निर्माण मशीनरी, रसायनों तथा भवन सामग्री का निर्यात करने तथा परामर्श एवं पर्यवेक्षण सेवाओं के लिए अवसर प्रस्तुत कर रही हैं।

ऋण सहायता : भारत सरकार ने ग्रामीण विद्युतीकरण, चीनी उद्योग तथा रेलवे जैसे क्षेत्रों के लिए इथोपिया सरकार को 1 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक मूल्य की संस्वीकृत ऋण सहायता के साथ इथोपिया में विकास परियोजनाओं में सहायता प्रदान करने का काम जारी रखा है। इथोपिया अफ्रीका में भारत से दीर्घावधिक रियायती ऋण का सबसे बड़ा प्राप्तकर्ता है। भारतीय एग्जिम बैंक की 640 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता से इथोपिया में फिंचा और वोनजीशोआ चीनी कारखानों तथा टेंडाहो शुगर फैक्ट्री के चरण 1 का निर्माण लगभग पूरा हो गया है। भारत ने अपनी ऋण सहायता के अंग के रूप में अदिस अबाबा में ब्लैक लायन हॉस्पिटल को 64 स्लाइस की एक सी टी स्कैन मशीन को भी दान में दिया है। एन आई एफ टी तथा सी एल आर आई भी अपने इथोपियाई समकक्षों ई टी आई डी आई और ई एल आई डी आई के साथ जुड़वा व्यवस्थाएं हैं तथा क्षमता निर्माण की परियोजनाएं संचालित करती हैं।

भारत की ओर से व्यापार से जुड़ी यात्राएं : ट्रेड फेयर, बी एस एम आदि में भारतीय कारोबारी शिष्टमंडलों की भागीदारी के माध्यम से व्यापार एवं आर्थिक भागीदारी में बल को जारी रखा गया। विविध क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली 28 भारतीय कंपनियों के एक शिष्टमंडल ने एफ आई ई ओ के समन्वय में अदिस चैंबर इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (ए सी आई टी एफ) में भाग लिया। एसोचैम के नेतृत्व में एक 11 सदस्यीय शिष्टमंडल और एक अन्य 21 सदस्यीय बहुक्षेत्रक शिष्टमंडल ने भी इथोपिया का दौरा किया। दूतावास ने व्यापार शिष्टमंडलों को सुगमता प्रदान की तथा प्रदर्शनियों एवं क्रेता - विक्रेता बैठकों का भी आयोजन किया। विकास के लिए वित्त पोषण पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एफ एफ डी 3) का आयोजन 13 से 16 जुलाई 2015 के दौरान अदिस अबाबा में हुआ तथा इसमें माननीय वित्त राज्य मंत्री श्री जयंत सिन्हा ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। भवन एवं निर्माण सामग्री क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली 18 भारतीय कंपनियों ने अदिस अबाबा में 6वीं अदिस बिल्ड कंस्ट्रक्शन एग्जीबीशन में भाग लिया।

इथोपिया की ओर से व्यापार से जुड़ी यात्राएं : इथोपिया की ओर से महत्वपूर्ण यात्राओं एवं भागीदारियों में निम्नलिखित शामिल हैं : अहमदाबाद में वाइब्रेंट इंडिया में पहली बी 2 बी व्यापार शिखर बैठक, नई दिल्ली में इंडिया इलेक्ट्रानिक एक्सपो, बहुमूल्य एवं अर्ध बहुमूल्य पत्थरर के क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं को सीखने के लिए एक शिष्टमंडल के साथ खान राज्य मंत्री का जयपुर का दौरा और नई दिल्ली में काल टू ऐक्शन समिट 2015 में भाग लेने के लिए स्वास्थ्य मंत्री का दौरा। इथोपियाई मिशनों द्वारा अक्टूबर 2015 में नई दिल्ली और मुंबई में एक भारत - इथोपिया व्यवसाय मंच का आयोजन किया गया। इथोपिया के विदेश मंत्री डा. टेड्रोस अधनोम, इथोपिया निवेश आयोग के आयुक्त श्री फिटसुम अरेगा और इंडिया बिजिनेस फोरम के संयोजक श्री मयूर कोठारी ने फोरम को संबोधित किया।

संस्कृति : दूतावास इथोपिया में भारतीय संस्कृति का प्रचार प्रसार करने में सक्रियता से जुटा है। 21 जून 2015 को अदिस अबाबा में पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया जिसमें भारी संख्या में स्थानीय एवं विदेशी योग विशेषज्ञों / जिज्ञासुओं ने भाग लिया। इथोपियाई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (ई आई एफ एफ) में भी पहली बार भाग लिया तथा अमहैरिक - सबटाइटल के साथ हिंदी फिल्में प्रदर्शित की गईं। कथक और राजस्थानी लोकनृत्य के कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। सुश्री मेस्केरेम एसेग्यूड जो इथोपिया में एक विख्यात कला समालोचक तथा जोमा कंटेम्पोरेरी आर्ट सेंटर, अदिस अबाबा की निदेशक हैं, को आई सी सी आर के शैक्षिक आगंतुक कार्यक्रम के तहत 21 फरवरी से 3 मार्च 2015 तक भारत भेजा गया। इथोपिया की महिला, बाल और युवा कार्यक्रम मंत्री माननीया सुश्री जेनेबू तदेसे वोल्डेटसेडिक को आई सी सी आर द्वारा 2015 में इथोपिया में महिलाओं, बच्चों एवं युवाओं के कल्याण को बढ़ावा देने की दिशा में भारत और इथोपिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए विशिष्ट एल्युमिनी पुरस्कार के लिए चुना गया। सुश्री शेली ज्योति द्वारा निर्मित टेक्सटाइल प्रदर्शनी 'वस्त्रम - स्प्लेंडिड वर्ल्ड आफ इंडियन टेक्सटाइल' अदिस अबाबा में लगाई गई।

क्षमता निर्माण के लिए सहयोग

आई टी ई सी के तहत प्रशिक्षण स्लाटों की संख्या वर्ष 2007-08 में 25 से बढ़ाकर वर्ष 2014-15 में 200 कर दी गई है। हम भारत के विश्वविद्यालयों में पढ़ाई करने के लिए इथोपिया के छात्रों को भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आई सी सी आर) की 55 छात्रवृत्तियों की भी पेशकश करते हैं। इथोपिया में जुलाई, 2007 में अखिल अफ्रीकी ई-नेटवर्क शुरू की गई। अदिस अबाबा विश्वविद्यालय में टेली एजुकेशन सेंटर तथा अदिस अबाबा स्थित ब्लैक लायन हास्पिटल में टेली - मेडिसीन सेंटर अच्छी तरह से काम कर रहे हैं तथा इथोपिया द्वारा इन्हें बहुत उपयोगी माना जा रहा है।

भारतीय समुदाय :

गुजरात से इथोपिया में जाकर बसने वाला परंपरागत भारतीय समुदाय। वे 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में इस देश में आए। डेर्ग के शासन काल के दौरान भारतीय समुदाय की संख्या बहुत घट गई। आज यह संख्या 6,000 के आसपास है - ज्यादातर

नए निवेशक हैं, उनके कर्मचारी तथा विश्वविद्यालयों में लेक्चरर और प्रोफेसर हैं। उत्तरोत्तर विविध भारतीय समुदाय को सुदृढ़ एवं मजबूत करने के लिए अपने संरक्षण के अधीन भारतीय दूतावास ने 2014 में इंडियन मेडिकल प्रोफेशनल फोरम और इंडिया एजुकेशन फोरम का गठन किया।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, अदिस अबाबा की वेबसाइट :
http://www.indembassyeth.in/
भारतीय दूतावास, अदिस अबाबा का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/EmbassyofIndiaAddisAbaba
इंडिया ग्लोबल- भारत और ईथोपिया के रिश्तों को प्रदर्शित करता एआईआर एफएम गोल्ड का कार्यक्रम:
http://www.youtube.com/watch?v=CoitlgLeBS8
ट्विटर : इंडियाइनइथोपिया

***

जनवरी, 2016